न्यूज डायरी

अमेरिका में आए बवंडर से 50 लोगों की मौत, हुए कई नुकसान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के केंटकी राज्य में आए बवंडर से कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई है। यह जानकारी राज्य के गवर्नर एंडी बेशियर ने दी है। बेशियर ने कहा कि बवंडर के चलते अधिकांश नुकसान ग्रेव्स काउंटी पर केंद्रित है, जिसमें मेफील्ड शहर भी शामिल है। बवंडर ने मेफील्ड को उतना ही नुकसान किया है जितना किसी अन्य शहर को किया है। गर्वनर ने आगे कहा कि मेफील्ड में एक फैक्टरी है, जिसकी छत ढह गई है। यह एक बड़ा हादसा है। बवंडर से प्रभावित इमारतों में ग्रेव्स काउंटी कोर्टहाउस और आसपास की जेल भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मोनेट में अधिकारियों ने आपातकाल की स्थिति जारी की और निवासियों को जगह–जगह शरण देने के लिए कहा, उत्तरपूर्वी अर्कांसस, उत्तर–पश्चिम टेनेसी और दक्षिण–पूर्व मिसौरी में कई काउंटियों के लिए शुक्रवार रात को बवंडर की चेतावनी जारी की गई थी।

ब्रिटेन में ओमीक्रोन के आगे फेल हुई ऑक्सफोर्ड की कोविशील्ड वैक्सीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन में लाखों लोग कोरोना के ओमीक्रोन वेरिएंट से असुरक्षित और संक्रमण के खतरे के बीच सांस ले रहे हैं। बड़ी संख्या में लोगों के बीच बूस्टर डोज लगवाने की होड़ लगी हुई है, वहीं विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि एनएचएस बुकिंग साइट पर गड़बड़ी के चलते क्रिसमस तक कई लोग वैक्सीन नहीं लगवा पाएंगे। वैक्सीन को लेकर एक जांच ने टेंशन बढ़ा दी है जिसमें एस्ट्राजेनेका वैक्सीन, जिसे भारत में कोविशील्ड के नाम से जाना जा रहा है, कुछ महीनों बाद ओमीक्रोन के खिलाफ अप्रभावी पाई गई। हालांकि राहत की बात यह है कि वैक्सीन की तीसरी खुराक यानी बूस्टर डोज नए वेरिएंट के खिलाफ 76 फीसदी तक कारगर साबित हुआ है। डेलीमेल की रिपोर्ट के मुताबिक ओमीक्रोन ब्रिटेन में तेजी से पैर पसार रहा है और अगले दो हफ्तों में इसका और भी ज्यादा भयानक रूप देखने को मिल सकता है।

म्यांमार में लोगों ने खुद को घर में कैद कर किया सेना का विरोध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बैंकाक। म्यांमार में सैन्य शासन का विरोध अनूठे तरीके हुआ। लोगों ने खुद को घर में कैद कर विरोध प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर इस विरोध को साइलेंट स्ट्राइक नाम दिया गया था। इस प्रदर्शन में समूचा देश साथ दिखा। सुबह 10 बजे से शाम के चार बजे तक लोग घरों में ही रहे। दुकानें बंद रहीं और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। यह प्रदर्शन मंगलवार को देश के सागाइंग क्षेत्र में सैनिकों द्वारा कथित रूप से मौत के घाट उतारे गए 11 नागरिकों के मिलने के विरोध में किया गया। ग्रामीणों को इन नागरिकों के जले हुए शव मिले थे। इस घटना से जुड़े कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। वहीं, सेना ने सफाई देते हुए कहा है कि सैनिकों ने नागरिकों की हत्या नहीं की है। सेना ने इस घटना को फर्जी करार दिया।

ऑस्ट्रेलिया में बनेगी स्कूल बस के आकार की स्टील की एक तिजोरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के एक सुदूरवर्ती इलाके में स्कूल बस के आकार की स्टील की एक तिजोरी पृथ्वी के गर्म होते मौसम के पैटर्न को रिकॉर्ड करेगी। यह मशीन हम जो कहते और करते हैं, उसे भी सुनेगी। इसे बनाने वालों का कहना है कि यह एक संग्रह तैयार करेगी जो मानवता के गलत कदमों को एक साथ जोड़ने में अहम साबित हो सकता है। इसे धरती का श्ब्लैक बॉक्सश भी कहा जा रहा है। इस मशीन का निर्माण ऑस्ट्रेलिया के एक द्वीप तस्मानिया पर किया जाएगा। यह हवाई जहाज के फ्लाइट रिकॉर्डर की तरह काम करेगी जो दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले विमान के अंतिम क्षणों को रिकॉर्ड करता है। हालांकि, इसके निर्माताओं ने उम्मीद जताई कि इसे खोलना नहीं पड़ेगा। तीन इंच मोटाई के स्टील से बन रही 33 फीट लंबी इस तिजोरी के अगले साल के मध्य से पहले पूरा होने की उम्मीद नहीं है।

चीनी मीडिया ने ताइवान की मदद करने पर अमेरिका को धमकाया

ताइवान में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी पर पहले से ही भड़का हुआ है चीन

आलोचना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। चीन ने कहा है कि अगर ताइवान को बचाने के लिए अमेरिकी सैनिकों को भेजा गया तो वह उनपर भी गोली चलाने से नहीं हिचकेगा। इसके एक दिन पहले ही चीन ने ताइवान के वायुक्षेत्र में अपने 13 लड़ाकू विमानों की घुसपैठ करवाई थी। चीन की राज्य समर्थित मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने चेतावनी दी है कि अमेरिका को दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में उलझने के बजाए अपनी परेशानियों को हल करना चाहिए। ग्लोबल टाइम्स ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के बयान की भी आलोचना की है।

चीन के कम्युनिस्ट शासकों के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि अगर द्वीप पर युद्ध छिड़ जाता है तो चीनी सैनिक ताइवान की रक्षा के लिए भेजे गए किसी भी अमेरिकी सेना पर हमला करेंगे। ग्लोबल टाइम्स ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के बयान की भी निंदा

की जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका कभी भी चीन को ताइवान पर हमला करने की अनुमति नहीं देगा।

अमेरिकी एनएसए को सुनाई खरीखोटीः ग्लोबल टाइम्स ने आगे लिखा कि जेक सुलिवन की धमकी बिलकुल भी भरोसे के लायक नहीं है, क्योंकि अमेरिका ताइवान के रक्षा की लागत को वहन नहीं कर सकता है। इतना ही नहीं, अखबार ने व्यंग करते कहा कि सुलिवन को अपना बड़ा मुंह बंद करने और अपने देश के लिए और अधिक शर्मिंदगी पैदा करने से बचना चाहिए।

चीन का जहरीला हथियार है ग्लोबल टाइम्सः ग्लोबल टाइम्स के लेख को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का विचार माना जाता है। ऐसे में उसकी लिखी हुई हर एक बाद चीनी सरकार का अनाधिकारिक वक्तव्य हो सकती है, जिसे वह आमतौर पर नहीं बोल सकता है। लोबल टाइम्ब्स ने न केवल चीन की सत्ध्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के समर्थन में लेख लिखे बल्कि चीनी सेना के युद्धाभ्यास के वीडियो भी जारी किए। साथ ही ग्लोबल टाइम्स ने कई मौकों पर भारत को धमकाने की कोशिश की।

चीन ने ताइवान को धमकाने भेजे 13 लड़ाकू विमानः चीन ने ताइवान को धमकाने के लिए शुक्रवार को 13 विमानों को भेजा था। इनमें आठ लड़ाकू विमान और दो परमाणु–सक्षम बमवर्षक शामिल थे। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इसमें छह जे–16 लड़ाकू विमान, दो जे–10 लड़ाकू विमान, दो एच–6 बमवर्षक, एक वाई–8 जासूसी विमान, एक वाई–8 पनडुब्बी रोधी विमान, एक केजे–500 जासूसी विमान शामिल थे।

ग्लोबल टाइम्स बोला- इससे युद्ध में फंस जाएगा अमेरिकाः ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि कोई भी यह नहीं मानता है कि अमेरिका में ताइवान की हर कीमत पर रक्षा करने की सच्ची इच्छा है। अमेरिका एक घातक युद्ध की कीमत पर ताइवान की रक्षा से बहुत दूर है। वाशिंगटन का मानना है कि द्वीप पर अमेरिकी सैनिकों को भेजना एक रक्षात्मक कदम है, लेकिन वास्तव में वे खुद को हमले में पाएंगे।

चीन के कर्ज के जाल में फंस रहे श्रीलंका का सहारा बनेगा भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। भारत का पड़ोसी देश श्रीलंका फिलहाल आर्थिक संकटों और चीन के कर्ज का सामना कर रहा है। कुछ दिनों पहले श्रीलंका के वित्त मंत्री बासिल राजपक्षे ने भारत की यात्रा की थी। खबर है कि भारत श्रीलंका की मदद के लिए तत्काल आधार पर पैकेज तैयार कर रहा है। अधिकारियों ने इकोनॉमिक्स टाइम्स को बताया कि भारत श्रीलंका के लिए तत्काल आधार पर खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा पैकेज का विस्तार कर सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक इसमें एनर्जी सिक्योरिटी पैकेज और करेंसी स्वैप के साथ–साथ भारतीय निवेश को भी बढ़ावा मिल सकता है। राजपक्षे की यात्रा के दौरान इस बात पर सहमति बनी थी कि इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आपसी सहमति के साथ प्रक्रियाओं को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा पैकेज में भारत से खाद्य, दवाओं और अन्य आवश्यक वस्तुओं के आयात को कवर करने के लिए एक लाइन ऑफ क्रेडिट के विस्तार की परिकल्पना की गई है।

वहीं एनर्जी पैकेज में भारत से ईंधन के आयात को कवर करने और त्रिंकोमाली तेल टैंक फार्म के आधुनिकीकरण को कवर करने के लिए एक लाइन ऑफ क्रेडिट भी शामिल होगा।

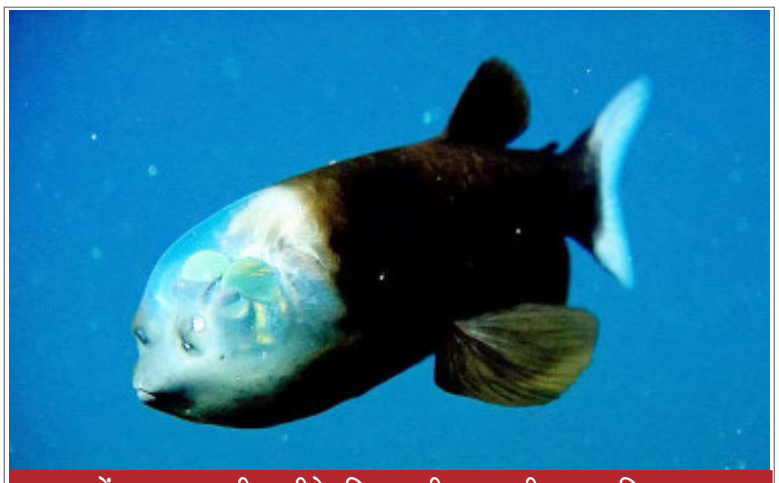

समुद्र में 2000 फीट नीचे दिखा जीव–मछली या एलियन?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अक्सर अजीबोगरीब आकार और शारीरिक संरचना के चलते समुद्री जीवों की तुलना एलियंस से की जाती है। अब एक मछली को एलियन कहा जा रहा जो कैलिफोर्निया के तट पर समुद्र से लगभग 2,000 फीट नीचे रहती है। दरअसल मछली का सिर पारदर्शी है जो उसकी चमकती आँखों को उजागर करता है। गहरे समुद्र में रहने वाले इस जीव को बैरेली मछली कहा जाता है। मोंटेरे बे एक्वेरियम रिसर्च इंस्टीट्यूट ने अपने रिमोट–ऑपरेटेड व्हीकल (आरओवी) का इस्तेमाल करके गहरे समुद्र में रहने वाले इस जीव को देखा है।

पाकिस्तान की मस्जिद में दी जा रही कत्ल की ट्रेनिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में ईशनिंदा का मामला इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा में है। बीते दिनों कट्टरपंथियों की भीड़ ने श्रीलंकाई नागरिक की पाकिस्तान के सियालकोट में पीट–पीटकर हत्या कर दी थी और शव को आग के हवाले कर दिया था। अब पाकिस्तान से एक परेशान करने वाला वीडियो सामने आया है जो कथित रूप से ईशनिंदा को लेकर पाकिस्तान के हिंसक और अराजक चेहरे को उजागर कर रहा है। यह वीडियो इस्लामाबाद की लाल मस्जिद का बताया जा रहा है।

वीडियो पाकिस्तानी पत्रकार ईशनिंदा के लिए पाकिस्तान में मिल सकती है सजा–ए–मौत और सामाजिक कार्यकर्ता गुल बुखारी ने ट्वीट किया है। वीडियो के साथ उन्होंने दावा किया, इस्लामाबाद की लाल मस्जिद के छात्र ईशनिंदा के आरोपी व्यक्ति का सिर कलम करने का अभ्यास कर रहे हैं। पाकिस्तान का कामयाब जवान प्रोजेक्ट अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। वीडियो में सैकड़ों बच्चियां और महिलाएं धार्मिक कपड़ों में नजर आ रही हैं। बच्चियों के सामने महिलाएं तलवार से एक पुतले का सिर कलम करती हुई दिखाई पड़ती हैं।

इमैनुएल मैक्रों की तस्वीर लेकर प्रदर्शनः कामयाब जवान पाकिस्तान सरकार की एक योजना है जिसमें युवाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और जुड़ाव को बढ़ावा देने की बात कही जाती है। वीडियो के दूसरे हिस्से में कई छात्राएं धार्मिक कपड़ों में पंक्तिबद्ध होकर नारे लगा रही हैं। इनमें से एक लड़की के हाथ में एक तस्वीर नजर आ रही है जिसके चेहरे पर कालिख लगी हुई है। ध्यान से देखने पर यह फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की तस्वीर मालूम पड़ती है। दरअसल कट्टरपंथियों की ओर से पाकिस्तान से फ्रांस के राजदूत को वापस भेजने की मांग लंबे समय से की जा रही है। इस्लाम को बदनाम करने को लेकर पाकिस्तान में काफी कड़ा कानून है और इसमें मौत की सजा का भी प्रावधान है।

विकीलीक्स संस्थापक जूलियन असांजे के अमेरिका प्रत्यर्पण का रास्ता साफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के लंदन उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए जूलियन असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित किए जाने का रास्ता खोल दिया है। निचली अदालत ने विकीलीक्स के संस्थापक के मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देते हुए प्रत्यर्पण के अमेरिकी अनुरोध को खारिज कर दिया था। पचास वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई नागरिक असांजे 2010 और 2011 में हजारों गोपनीय सैन्य तथा राजनयिक दस्तावेजों के प्रकाशन के मामले में अमेरिका में वांछित हैं। इस साल की शुरुआत में निचली अदालत के एक न्यायाधीश ने विकीलीक्स द्वारा एक दशक पहले गुप्त सैन्य दस्तावेजों का प्रकाशन किए जाने के मामले में जासूसी के आरोपों का सामना कर रहे असांजे को अमेरिका प्रत्यर्पित करने के अमेरिकी अनुरोध को खारिज कर दिया था। निचली अदालत ने कहा था कि यदि असांजे को प्रत्यर्पित किया गया तो अपनी कमजोर मानसिक स्थिति के चलते उनके आत्महत्या करने का खतरा है।